# KHAN GS RESEARCH CENTRE

**Kisan Cold Storage, Campus, Mussallahpur,Patna - 06**

**Mob. : 8877918018, 8757354880**


# मध्यकालीन भारत का इतिहास

For : UPSC,BPSC,JPSC,UPPCS,CDPO, CDS, CAPF, CET, SSC, RLY, NDA, BSSC, बिहार दारोगा etc.

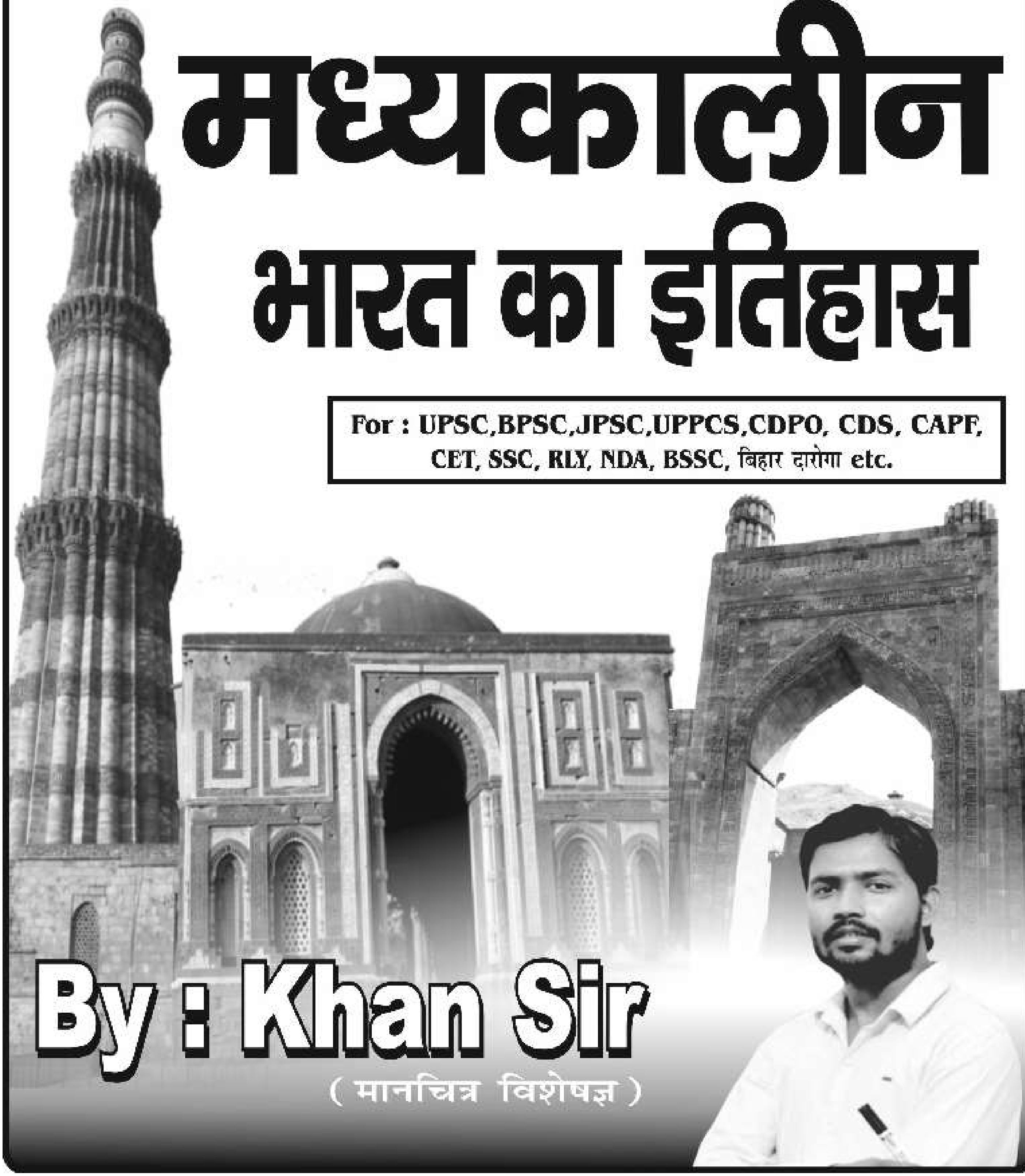


**By : Khan Sir**

( मानचित्र विशेषज्ञ )

# मध्यकालीन भारत Medieval History

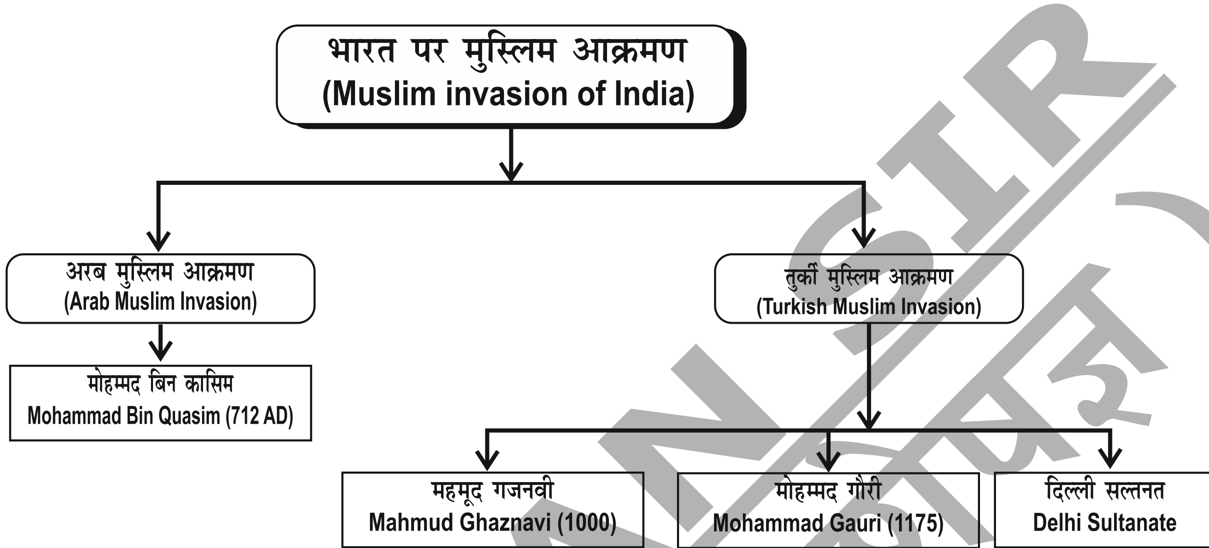


## भारत पर अरब मुस्लिम आक्रमण

- भारत पर सबसे पहले मुस्लिम आक्रमण 711 ई. में बुदैला और उबैदुल्ला के नेतृत्व में हुआ। ये दोनों ही आक्रमण असफल हुए।
- भारत पर पहला सफल आक्रमण करने वाला अरब का मुस्लिम शासक **मोहम्मद-बिन-कासिम** था।
- इसने 712 ई. में रावर के युद्ध में सिंध के राजा दाहिर को पराजित कर दिया। राजा दाहिर 'चच' का वंशज था। उस समय सिंध की राजधानी ब्राह्मणवाद/आरोह थी।

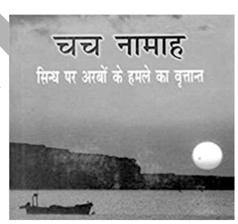


- अरबों की सिंध विजय का प्रमाण 'चचनामा (फतहनामा)' नामक ग्रंथ में मिलता है। जिसकी रचना 'अली अहमद' ने किया। इस पुस्तक की अरबी भाषा में रचना अबु मुआसिर ने किया।
- इसका भारत पर आक्रमण करने का उद्देश्य धन-दौलत लूटना और इस्लाम धर्म का प्रचार-प्रसार करना था न कि राज्य विस्तार का।
- मोहम्मद-बिन-कासिम ने 713 ई. में मुल्तान को जीत लिया और यहाँ से उसे इतना अधिक सोने का भंडार मिला कि मुल्तान को इतिहास में 'स्वर्ण नगरी' कहा जाने लगा।
- इसने जीते हुए क्षेत्र की राजधानी ''अलमन्सूरा'' को बनाया।
- मोहम्मद-बिन-कासिम के आक्रमण के फलस्वरूप अरबी संस्कृति को भारतीयों ने और कुछ भारतीय संस्कृति को अरबवासियों ने अपनाया।
- अरब और हिन्दु संस्कृति के मिश्रण के परिणामस्वरूप अरबवासियों ने भारत से खगोलशास्त्र, अंकगणित, चिकित्साशास्त्र और दर्शन के क्षेत्र में बहुत कुछ सिखा और इसका प्रचार-प्रसार यूरोप में किया।
- सर्वप्रथम अरबवासियों (मुस्लिमों) ने भारतीयों को हिन्दू कहकर संबोधित किया था और इस देश का नाम हिन्दुस्तान कहा था। अरब आक्रमण के फलस्वरूप भारत में पर्दा-प्रथा का तीव्र गति से विकास हुआ। इसके साथ ही जजिया, जकात और खराज (भू-राजस्व) नामक कर के बारे में जानकारी प्राप्त हुआ।
- **मोहम्मद-बिन-कासिम** ने भारत में सर्वप्रथम जजिया कर लगाया।
- जजिया गैर मुसलमानों से लिया जाने वाला एक प्रकार का सुरक्षात्मक कर था।
- **मुहम्मद बिन कासिम ने जजिया कर से 5 लोगों को मुक्त रखा।**
  (i) बच्चा, (ii) बूढ़ा, (iii) ब्राह्मण, (iv) विकलांग, (v) औरत
- **फिरोज-शाह-तुगलक** ने ब्राह्मणों पर भी जजिया कर लगा दिया।
- मुगल बादशाह अकबर ने **1564 ई.** में जजिया कर समाप्त कर दिया।
- **औरंगजेब** ने 1679 ई. में पुनः जजिया कर लगा दिया।

**नोटः**- एकमात्र मुगलबादशाह औरंगजेब ने अंग्रेजों से भी जजिया कर वसूला।

- जजिया कर को अंतिम रूप से **मोहम्मद शाह ( रंगीला बादशाह )** ने समाप्त किया।
- विष्णु शर्मा का पंचतंत्र, चरकसंहिता, आर्यभट्ट का सूर्य सिद्धांत, तथा सुश्रुतसंहिता का अरबी भाषा में अनुवाद किया गया था।
- अरबों ने सिंध में ऊंट पालने की प्रथा तथा खजूर की खेती प्रारंभ किया।
- चचनामा ग्रंथ के अनुसार सुलेमान के आदेश पर मुहम्मद बिन कासिम की हत्या करवा दी गई थी।

## भारत पर तुर्क आक्रमण

- भारत में मुस्लिम सत्ता की स्थापना का श्रेय तुर्कों को दिया जाता है।
- तुर्क चीन की उत्तरी-पश्चिम सीमाओं पर निवास करने वाले एक लड़ाकू एवं बर्बर जाति था। जो उमैय्या वंशी शासकों के संपर्क में आने के बाद ईस्लाम धर्म अपना लिया।

  उनका उद्देश्य एक विशाल मुस्लिम साम्राज्य स्थापित करना था।
- अलप्तगीन अफगान प्रदेश में गजनवी साम्राज्य की स्थापना किया।
- भारत पर पहला तुर्क आक्रमणकारी सुबुक्तगीन था।
- सुबुक्तगीन अलप्तगीन का गुलाम था। जो बाद में अलप्तगीन का दामाद बना।
- इसने 986 ई. में हिन्दू शाही वंश के शासक जयपाल को पेशावर में पराजित कर दिया।

### महमूद गजनवी

- सुबुक्तगीन का पुत्र महमूद गजनवी था, जो अफगान के गजनी का रहने वाला था। महमूद गजनवी 998 ई. में गद्दी पर बैठा।
- इसने (1000 ई. से 1027 ई. के बीच कुल 17 बार आक्रमण किए)।
- इसने मध्य एशिया में एक बड़े साम्राज्य की स्थापना के लिए धन प्राप्त करने के उद्देश्य से भारत पर आक्रमण किया।
- इसने 1001 ई. में पंजाब के हिन्दूशाही वंश के ऊपर आक्रमण किया। उस समय इसकी राजधानी वैहिंद थी। इस समय यहाँ के शासक जयपाल थे।
- जयपाल एकमात्र शासक है जो पराजित होने पर आत्महत्या कर लिया।
- इसने पुन: 1008 ई. में नगरकोट पर हमला किया और ज्वालामुखी मंदिर को तोड़कर उसके अवशेष को गजनी ले जाकर मस्जिद सिढ़ियों पर फेंक दिया।
- महमूद गजनवी को बूत शिकन (मूर्ति भंजक) कहा जाता था।
- भारत में महमूद गजनवी का सर्वाधिक महत्वपूर्ण अभियान 1025 से 1026 में सोमनाथ मंदिर (गुजरात के सौराष्ट्र प्रांत) पर आक्रमण था। उस समय वहाँ का शासक भीम प्रथम था। इस युद्ध में 50 हजार से अधिक लोग मारे गए थे। महमूद इस मंदिर को पूर्णत: नष्ट कर दिया तथा इसकी कुल संपत्ति को लेकर सिंध के रेगिस्तान से वापस लौट गया।
- 1027 ई. में इसने जाट के विरुद्ध अपना अंतिम आक्रमण किया और उन्हें पराजित कर दिया। क्योंकि सोमनाथ को लूटकर वापस जाते समय महमूद को जाटों ने क्षति पहुँचायी थी।
- महमूद गजनवी का सेनापति अयाज सुल्तान था।
- फारूखी, उत्बि, फिरदौसी और अलबरूनी जैसे विद्वान गजनवी के दरबार में रहते थे।
- उत्बि ने किताब-उल-यामिनी की रचना की थी।
- फिरदौसी ने शाहनामा लिखा, जबकि अलबरूनी ने किताबुल हिन्द (तहकीक-ए-हिन्द) लिखा।
- अलबरूनी इतिहासकार, दार्शनिक और संगीतज्ञ था तथा इसका वास्तविक नाम अबूरेहान मुहम्मद बिन अहमद था।
- चांदी के सिक्का पर संस्कृत मुद्रालेख गजनवी ने प्रारंभ किया था। जिसके एक तरफ अरबी भाषा तथा दूसरी तरफ संस्कृत भाषा का प्रयोग हुआ था।
- महमूद गजनवी को बगदाद के खलीफा अल-कादिर-बिल्लाह ने सुल्तान कहकर संबोधित किया। खलीफा ने इसको यामिन-उद्दौला और यामिन-उद्-बिल्लाह की उपाधि से सम्मानित किया।
- 1030 ई. में महमूद गजनवी का असाध्य रोग (मलेरिया) से मृत्यु हो गई।

### तुर्क आक्रमण का दूसरा चरण
### महमूद गौरी

Muhammad Ghori

- तुर्क एक जनजाति थी जो अफगानिस्तान के क्षेत्र की थी।
- इसके दूसरे चरण का नेतृत्व मोहम्मद गौरी ने किया।
- इसका पूरा नाम मोहम्मद गौरी या मुईजुद्दीन मुहम्मद बिन शाम (शिहाबुद्दीन)था। इसे गौर वंश का मोहम्मद भी कहा जाता है।
- 1173 ई. में मोहम्मद गौरी गौर प्रदेश का शासक बना।
- 1175 ई. में इसने मुल्तान एवं सिंध पर आक्रमण किया।
- 1178 ई. में इसने पाटन (गुजरात) पर आक्रमण किया किन्तु वहाँ के शासक भीम-II ने माउंट आबू पर इसे बुरी तरह से पराजित किया। यह तुर्क आक्रमणकारियों की पहली पराजय थी।
- मोहम्मद गौरी 1179 ई. में पेशावर, 1181 में लाहौर तथा 1185 ई. में सियालकोट को जीत लिया।
- मोहम्मद गौरी लाहौर तथा उसके आस-पास के क्षेत्रों को जितता गया। इसने लाहौर को केन्द्र बनाया।

BY KHAN SIR (मानचित्र विशेषज्ञ)

- ☞ इसने पंजाब के भटिंडा पर जब अधिकार किया तो पृथ्वीराज चौहान-III से विवाद हो गया।
- ☞ 1191 ई. के तराईन के प्रथम युद्ध में पृथ्वीराज चौहान-III ने गौरी को पराजित कर दिया।
- ☞ 1192 ई. के तराईन के द्वितीय युद्ध में मोहम्मद गौरी ने जयचंद्र के सहयोग से पृथ्वीराज चौहान-III को पराजित कर दिया और उनकी हत्या कर दी।
- ☞ महमूद गजनवी का सेनापति मल्लिक अयाज सुल्तान था।
- ☞ इतिहासकार बी.एस. स्मिथ ने कहा कि तराईन का द्वितीय युद्ध ऐसा निर्णायक युद्ध साबित हुआ जिसमें भारत पर मुसलमानों की आधारभूत सफलता निश्चित कर दिया। बाद में होनेवाले आक्रमण परिणाम मात्र थे।
- ☞ तराईन के युद्ध के बाद गौरी ने मेरठ, अलीगढ़ पर अधिकार कर दिल्ली को अपनी राजधानी बनाया।
- ☞ 1194 ई. के चंदवार के युद्ध में (फिरोजाबाद) उसने गढ़वाला शासक जयचंद्र को पराजित कर दिया।
- ☞ मोहम्मद गौरी का गुलाम तथा कुतुबद्दीन ऐबक का सेनापति बख्तियार खिलजी 1198 ई. में नालंदा विश्वविद्यालय को ध्वस्त कर दिया तथा बिहार शरीफ नामक शहर बसाया।
- ☞ 1205 ई. में गौरी ने अपना अंतिम अभियान पंजाब के खोख्खर जातियों के विरुद्ध किया।
- ☞ मोहम्मद गौरी का सेनापति मोहम्मद बिन बख्तियार खिलजी ने 1203 ई. में बिहार विजय, 1204-05 में बंगाल विजय तथा 1206 ई. में असम पर आक्रमण किया।
- ☞ गौरी के समय सिक्कों पर हिन्दु देवी लक्ष्मी का अंकन मिलता है।
- ☞ मोहम्मद गौरी के साथ प्रसिद्ध चिश्ती संत मोइनुद्दीन चिश्ती भारत आए थे। जिन्होंने भारत में चिश्ती सम्प्रदाय की स्थापना की।
- ☞ मोहम्मद गौरी का कोई पुत्र नहीं था तथा जयचंद्र को पराजित करने के बाद गौरी द्वारा भारत में जीते गए प्रदेशों को कुतुबद्दीन ऐबक को सौंप कर वापस गजनी लौट गया।
- ☞ मोहम्मद गौरी ने कुतुबद्दीन ऐबक को प्रथम अख्ता प्रदान किया था।
- ☞ 1206 ई. में दमयक नामक स्थान पर रामलाल खोख्खर ने मोहम्मद गौरी की हत्या कर दी।
- ☞ मोहम्मद गौरी को गजनी में दफनाया गया।
- ☞ मोहम्मद गौरी के तीन प्रमुख गुलाम थे–
  - (i) कुतुबुद्दीन ऐबक
  - (ii) याल्दोज
  - (iii) कुबाजा।

### *One liner Question :–*

- ★ भारत में प्रथम मुस्लिम आक्रमणकारी था **–मुहम्मद बिन कासिम**
- ★ मुहम्मद बिन कासिम के नेतृत्व में अरबों ने सिंध पर किस वर्ष आक्रमण किया **–711-12 ई.**
- ★ अरब आक्रमण के समय सिंध पर किसका शासन था **–दाहिर का**
- ★ गैर मुस्लिमों की भूमि को क्या कहा जाता था **–दार-उल-हर्ब**
- ★ मुहम्मद बिन कासिम ने मार्तण्ड मंदिर का विध्वंस किस क्षेत्र में किया था **–मुल्तान**
- ★ इस्लामी आचार विचार के कानून को क्या कहा जाता है **–शरीयत**
- ★ महमूद गजनवी के आक्रमण के समय चालुक्यों की बेंगी शाखा का शासक कौन था **–शक्तिवर्मा प्रथम**
- ★ गजनी राजवंश का संस्थापक था **–अलप्तीन**
- ★ महमूद गजनवी के पिता का नाम क्या था **–सुबुक्तगीन**
- ★ महमूद गजनवी ने सोमनाथ मंदिर पर आक्रमण किया था **–1025 ई. में**
- ★ महमूद गजनवी का अंतिम आक्रमण किसके विरुद्ध था **–जाटों के**
- ★ महमूद गजनवी का दरबारी इतिहासकार था **–उत्वी**
- ★ महमूद गजनवी के साथ भारत आनेवाला प्रसिद्ध विद्वान् व इतिहासकार था **–अलबरूनी**
- ★ पुराणों का अध्ययन करनेवाला प्रथम मुसलमान था अलबरूनी
- ★ मुहम्मद गौरी ने जयचंद को पराजित किया था **–चन्दावर के युद्ध में (1194 ई.)**
- ★ मुहम्मद गौरी को सर्वप्रथम पराजित किया **–भीम द्वितीय अथवा मूलराज द्वितीय ने**
- ★ भारत में मुहम्मद गौरी ने प्रथम अक्ता प्रदान किया **–कुतुबुद्दीन ऐबक को**
- ★ किस तुर्क ने लूटमार की नीति छोड़कर भारत में स्थायी राजनीतिक शासन की स्थापना की नीति अपनायी **–कुतुबुद्दीन ऐबक ने**
- ★ महमूद गजनवी के भारत अभियान के समय कश्मीर पर किस वंश का शासन था **–लोहार वंश**
- ★ आठवीं शताब्दी के मधय में दिल्ली नगर की नींव किस शासक ने रखी थी **–तोमर शासक अनंगपाल**
- ★ महमूद गजनवी ने भारत में अपना अंतिम अभियान 1027 ई. में किसके विरुद्ध किया **–गुजरात के जाटों**
- ★ बगदाद के खलीफा द्वारा मुस्लिम शासकों को इस्लाम के रक्षक के रूप में कौन-सी उपाधि प्रदान की जाती थी **–अमीन-उल-मिल्लत**
- ★ सुल्तान खुसरों किस साम्राज्य का अंतिम शासक था **–गजनी साम्राज्य**
- ★ 1175 ई. से 1206 ई. तक भारत पर किस विदेशी शासक ने लगातार आक्रमण किया **–शहाबुद्दीन मुहम्मद गोरी**
- ★ आबू पर्वत के निकट 1178 ई. में किस शासक ने मुहम्मद गौरी को पराजित किया **–मूलराज**
- ★ मुहम्मद गौरी के आक्रमण के समय अन्हिलवाड़ा का शासक कौन था **–भीमदेव**

BY KHAN SIR (मानचित्र विशेषज्ञ)

★ मुहम्मद गौरी ने जयचंद को पराजित किया था **–चन्दावर के युद्ध में ( 1194 )**
★ तराइन का प्रथम युद्ध हुआ था **–गौरी एवं पृथ्वीराज चौहान के बीच ( 1191 )**
★ तराइन थानेश्वर से कितनी दूरी पर स्थित है **–14 मील**
★ किस युद्ध के बाद कोई भी भारतीय शक्ति मुसलमानों का प्रतिकार करने की स्थिति में नहीं रही **–तराइन का द्वितीय युद्ध**
★ पृथ्वीराज चौहान के विरुद्ध मुहम्मद गौरी की सहायता करने के कारण किस शासक को देशद्रोही की संज्ञा दी जाती है **–कन्नौज का जयचंद**
★ गौर लौटते समय 15 मार्च, 1206 ई. को किसने मुहम्मद गौरी की हत्या कर दी **–शिया विद्रोहियों ने**
★ महमूद गजनवी ने 1000 ई. से 1027 ई. के बीच भारत पर कितनी बार आक्रमण किए **–17 बार**
★ महमूद गजनवी के आक्रमण के समय उत्तर भारत की राजनीति की बागडोर किसके हाथों में थी **–राजपूतों के**
★ अयू-रेहान मुहम्मद किस इतिहास- प्रसिद्ध लेखक का वास्तविक नाम था **–अल्बरूनी**
★ महमूद गजनवी की सेना का नेतृत्व करने वाला हिंदू सेनापति था **–तिलक**
★ सुलतान की उपाधि धारण करने वाला पहला शासक था **–महमूद गजनी**
★ मुहम्मद बिन कासिम ने किस वर्ग को 'जजिया कर' से पूर्णत: मुक्त रखा? **–ब्राह्मणों को**
★ भारत पर पहली बार आक्रमण करने वाला कौन था? **–अरब**
★ सोमनाथ के मन्दिर पर 1025 ई. में महमूद गजनवी के आक्रमण के समय गुजरात का शासक कौन था? **–भीमदेव I**
★ हिन्दू विधि पर एक पुस्तक 'मिताक्षरा' किसने लिखी? **–विज्ञानेश्वर**
★ किस नाटक के कुछ अंश अढ़ाई दिन का झोपड़ा मस्जिद की दीवारों पर अंकित है? **–हरिकेलि**

# दिल्ली सल्तनत

## दिल्ली सल्तनत ( 1206 ई.–1526 ई. )

☞ 1206 ई. से लेकर 1526 ई. तक के कुल 320 वर्षों तक दिल्ली पर मुस्लिम सुल्तानों का शासन रहा।
☞ भारत पर शासन करने वाले पाँच वंश के सुल्तानों के शासनकाल को दिल्ली सल्तनत या सल्तनत-ए-हिन्द/सल्तनत-ए-दिल्ली कहा जाता है। ये पाँच वंश ये थे-

1. गुलाम वंश (1206-1290)
2. खिलजी वंश (1290-1320)
3. तुगलक वंश (1320-1414)
4. सैयद वंश (1414-1451)
5. लोदी वंश (1451-1526)

☞ इनमें से चार वंश मूलत: तुर्क थे जबकि अंतिम वंश अफगान था।

Trick :–

वंश ⇒ गुलाब खिले तो सांस लो
↓ गुलाम खिलजी तुगलक सैय्यद लोदी
↑
संस्थापक ⇒ ऐबक जल गया खि बो
↓ कुतुबुद्दीन जलालुद्दीन गयासुद्दीन खिज्र खां बहलोल

कार्यकाल ⇒ तुगलक सखी
तुगलक – तुगलक, गुलाम, लोदी
सखी – सैय्यद, खिलजी

## गुलाम वंश ( 1206 ई.–1290ई. )

☞ इस वंश को गुलाम वंश इसलिए कहते हैं क्योंकि इसके संस्थापक कुतुबद्दीन ऐबक मोहम्मद गौरी के गुलाम थे।
☞ इस वंश का दरबारी भाषा फारसी था और इस वंश की सबसे प्रमुख भाषा भी थी।
☞ इस वंश को इलबरी, मंमलूक या दास कहा जाता है।
☞ इस वंश का प्रथम शासक 'कुतुबद्दीन ऐबक' था।

### गुलाम वंश के प्रमुख शासक

1. कुतुबद्दीन ऐबक (कुतुबी वंश)
2. आरामशाह
3. इल्तुतमिश (शम्सी/इल्बरी वंश)
4. रूकनुद्दीन
5. रजिया सुल्तान
6. बहराम शाह
7. अलाउद्दीन मसूद शाह
8. नसीरउद्दीन शाह
9. बलबन/उब्लुग खां (बलबनी वंश)
10. कैकूबार
11. क्यूमर्श

### कुतुबुद्दीन ऐबक ( 1206 ई.–1210 ई. )

☞ ऐबक मोहम्द गौरी के तीन प्रमुख गुलामों में से एक था।
☞ मोहम्मद गोरी की मृत्यु के बाद ऐबक स्वयं को लाहौर का स्वतंत्र शासक घोषित किया।
☞ दिल्ली का प्रथम मुस्लिम शासक कुतुबद्दीन ऐबक था।

- ऐबक को दिल्ली का पहला तुर्क शासक माना जाता है।
- दिल्ली के सुल्तान पद सम्भालने से पहले ऐबक दिल्ली का गवर्नर था।
- इन्होंने सुल्तान की उपाधी नहीं धारण की बल्कि मलिक तथा सिपहसलार की उपाधि धारण की।
- ये गरीबों के प्रति दया का भाव रखते थे अत: इन्हें हातिम कहा गया।
- ये लाखों में दान देते थे। अत: इन्हें लाख बख्स भी कहते हैं।
- इन्हें पूरा कुरान याद था इसलिए इन्हें कुरान खान भी कहा जाता है।
- इनके दरबार में मिनहाज-उस-सिराज रहते थे, जिन्होंने तबकात-ए-नासरी पुस्तक लिखी है।
- इनके दरबार मे हसन निजामी भी थे, जिन्होंने ताज-ऊल-नासिर पुस्तक लिखी है।

- ऐबक ने अजमेर विजय के बाद वहाँ पर ढाई दिन का झोपड़ा नामक मस्जिद बनवायी।
- ऐसा माना जाता है कि यह किसी संस्कृत विद्यालय के स्थान पर बनाया गया है।
- ऐबक ने दिल्ली में कुब्बतुल इस्लाम मस्जिद बनवायी तथा इसके प्रांगण में लौह स्तंभ पर चंद्रगुप्त द्वितीय का स्मृति मिलता है।

- इण्डो ईस्लामिक कला का सबसे पहला उदाहरण कुब्बतुल इस्लाम मस्जिद में मिलता है।
- यह भारत की पहली मस्जिद थी।
- ऐबक के गुरु बख्तियार काकी थे।
- कुतुबमीनार बख्तियार काकी के याद में ऐबक द्वारा बनवाया गया था।
- ऐबक ने अफगानिस्तान के जाम मीनार से प्रेरित होकर दिल्ली (महरौली) में कुतुबमीनार (1193 ई. में) बनवाई किन्तु पूरा नहीं कर सका।

1. ऐबक कुतुबमीनार को 2 मंजिल बनवाया था, जबकि शेष 3 मंजिल को इल्तुतमिश ने पूरा किया। मोहम्मद-बिन-तुगलक के समय इस मीनार पर बिजली गिर गयी। फिरोज-शाह-तुगलक ने इसका पुनर्निर्माण किया।
2. अल्लाउद्दीन खिलजी इस मिनार के प्रतिद्वंद्वी मीनार के रूप में अलाई मीनार बनवाना प्रारंभ किया, किंतु इंजीनियरों की गलती के कारण यह सफल नहीं हुआ।

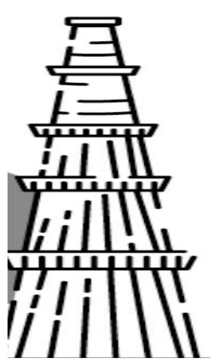

3. अलाउद्दीन खिलजी ने कुब्बतुल इस्लाम मस्जिद के प्रवेश द्वार के रूप में अलाई-दरबार बनवाया।

- 1210 ई. में लाहौर में चौगान (पोलो) खेलते समय घोड़े से गिरने से कुतुबुद्दीन ऐबक की मौत हो गई।
- ऐबक का सहायक सेनापति बख्तियार खिलजी था।
- ऐबक का मकबरा लाहौर में है।
- ऐबक ने अपनी राजधानी की लाहौर को बनाया था।
- ऐबक का अर्थ- 'चंद्रमा का देवता' होता है।
- ऐबक को घुड़सवारी और धनुर्विद्या अब्दुल अजीज कुफी द्वारा सिखाया गया था।

## आरामशाह ( 1210 ई. - 1211 ई. )

- यह ऐबक का उत्तराधिकारी था, किन्तु अयोग्य था।
- 1212 ई. में इल्तुतमिश ने इसे हटाकर खुद शासक बन गया।
- यह मात्र आठ महिने तक शासन किया था।
- इसकी हत्या इल्तुतमिश द्वारा कर दी गयी थी।

## शम्सी वंश

### इल्तुतमिश ( 1211 ई.-1236 ई. )

- इसे गुलाम का गुलाम कहते हैं, क्योंकि यह ऐबक का गुलाम था।
- यह 1211 ई० में गद्दी पर बैठा।
- इसके बचपन का नाम अल्तमश था।
- इसका पूरा नाम शम्सउद्दीन इल्तुतमिश था।
- इसके पिता का नाम ईलम खां था जो इलबरी तुर्क था।
- 1215 के तराईन के तृतीय युद्ध में इसने याल्दोज को पराजित कर दिया।
- इसने सुल्तान की उपाधि धारण की तथा अपने नाम का खुतबा पढ़वाया।
- शासक बनने से पहले यह बदायुँ (U.P.) का सूबेदार था।
- इसने अपनी राजधानी लाहौर से दिल्ली को बनाया।
- इसने शासक बनने के लिए खलिफा अल मुनतसीर बिल्लाह से खिल्अत (Degree) हासिल की।
- इसने चाँदी का टंका तथा ताँबे का जीतल प्रारंभ किया।
- इल्तुतमिश को गुंबद तथा मकबरा निर्माण का जनक कहते हैं।
- इल्तुतमिश ने अपने पुत्र नसिरूद्दीन महमूद का मकबरा सुल्तान गढ़ी में बनवाया।
- इल्तुतमिश ने न्याय मांगने के लिए लाल वस्त्र पहनने की परंपरा चलवाया।
- इल्तुतमिश ने वेतन के बदले भूमि दिया जिसे इक्ता व्यवस्था कहते हैं।
- इसने 40 तुर्क सरदारों का एक सलाहाकार परिषद् बनाया जिसे तुर्काय चिहलगाम या चालीसा दल कहते हैं।
- इसके समय जियाउद्दीन मांगबरनी का पीछा करते हुए चंगेज खाँ दिल्ली की सीमा तक पहुँच गया। अत: इल्तुतमिश ने जियाउद्दीन को अपनी शरण नहीं दी।
- इल्तुतमिश को शुद्ध इस्लामिक पद्धति का वास्तविक संस्थापक कहते हैं इसे गुलाम का गुलाम भी कहते हैं।

- यह बिहार में अपना प्रथम सुबेदार मलिक-जानी को नियुक्त किया था।
- यह शुद्ध अरबी सिक्का चलाने वाला प्रथम शासक था।
- ख्वाजामुइनुद्दीन चिश्ती की दरगाह को इल्तुतमिश द्वारा बनवाया गया था।
- तबकात-ए-नासिरी पुस्तक के लेखक मिनहास-उस-सिराज है।
- 1236 ई. को इल्तुतमिश की मृत्यु हो गई। इसने अपने जीवन काल में ही रजिया सुलतान को उत्तराधिकारी नियुक्त कर दिया था।
- इल्तुतमिश की मृत्यु के बाद 40 सरदारों ने रजिया को शासक न बनाकर रूक्नुद्दीन फिरोजशाह को शासक बना दिया।
- रजिया ने न्याय के लिए लाल वस्त्र पहनकर मस्जिद के आगे चली गई और जनता के हस्तक्षेप के बाद वह शासिका बनी।

## रजिया सुल्तान ( 1236 ई.-1240 ई. )

- यह भारत की प्रथम महिला शासिका थी। यह पुरुषों की भांति वस्त्र पहनकर शासन करने लगी जो 40 तुर्क सरदारों को पसंद नहीं था।
- दिल्ली के मलिक याकूत (अश्वशाला का प्रधान) के साथ रजिया का घनिष्ठ संबंध थे।
- तवरहिन्द (भटिंडा- पंजाब) के इक्तादार मलिक अल्तुनिया ने रजिया की अधीनता मानने से इंकार कर दिया। जिस कारण रजिया ने उस पर आक्रमण कर दिया। किन्तु युद्ध में खुद को हारता देख रजिया ने अल्तुनिया से विवाह कर लिया। किन्तु रास्ते में लौटते समय डाकुओं के हमले में हरियाणा के कैथल में रजिया एवं अल्तुनिया की हत्या हो गई।
- दिल्ली में 40 सरदारों ने याकूत की हत्या कर दी।
- रजिया एक असफल शासिका साबित हुई और इसका प्रमुख कारण इसका महिला होना था।
- इतिहासकारों (एलफीस्टन) का कहना है कि अगर रजिया महिला न होती तो इसका नाम भारत के महान् शासकों में लिया जाता है।
- इतिहासकार (मिनहाज) कहना है कि " भाग्य ने उसे पुरूष नहीं बनाया वरणा उसके समस्त गुण उसके लिए लाभप्रद हो सकते थे। रजिया में वे प्रशंसनीय गुण थे जो एक सुल्तान में होन चाहिए।"

## बहराम शाह ( 1240 ई.-1242 ई. )

- रजिया सुल्तान के बाद बहराम शाह 1240 ई. में दिल्ली के गद्दी पर बैठा।
- बहराम शाह को दिल्ली के तुर्क सरदारों द्वारा बंदी बनाकर 1242 ई. में उसकी हत्या कर दी गई।

## अलाउद्दीन मसूद शाह ( 1242 ई.-1246 ई. )

- यह दिल्ली के गद्दी पर 1242 ई. में बैठा।
- यह सिक्कों पर बगदाद के अंतिम खलीफा का नाम सर्वप्रथम अंकित करवाया था।
- यह अपना अमीरे-हाजिब गयासुद्दीन बलबन को नियुक्त किया।
- बलबन के षड्यंत्र के द्वारा 1246 ई. में अलाउद्दीन मसूद शाह को सुल्तान के पद से हटाकर नसीरूद्दीन महमूद को गद्दी पर बैठा दिया गया।

## नसीर-उद्दीन-शाह ( 1246 ई.-1266 ई. )

- यह एक मित्त व्ययी (कम-खर्चीला) शासक था।
- यह टोपी सिलकर अपना जीवन-यापन करता था।
- इसने एक गुलाम को चालीसा दल में स्थान दिया यह गुलाम बलवन था।
- इसने बलबन को उलुग खाँ की उपाधि दिया।
- इसके समय बलबन की शक्तियाँ बहुत ही बढ़ गई थी।
- इसकी मृत्यु 1265 ई. के बाद इसका उत्तराधिकारी गयासुद्दीन बलबन बना।
- यह दिल्ली के गद्दी पर 1246 ई. में बैठा।
- नासीरूद्दीन का मकबरा 'सुल्तान घड़ी' है।

## बलबन ( 1266 ई.-1286 ई. )

- यह इरान का रहने वाला था।
- इसका पूरा नाम गयासुद्दीन बलबन था।
- दिल्ली के सुल्तान का पद संभालने से पहले बलबन नासिरूद्दीन सुल्तान का प्रधानमंत्री था।

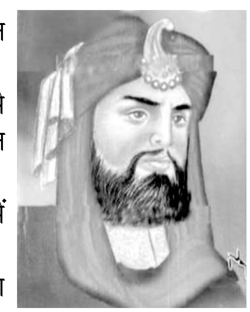

- रजिया सुल्तान के समय बलबन अमीर-ए-सिकार के पद पर था।
- दिल्ली के सुल्तान पद संभालने से पहले बलबन को महमूद शाह सुल्तान ने अपना अमीर-हाजीब बनाया था।
- यह दिल्ली के गद्दी पर 1266 ई. में बैठा।
- इसने सजदा (घुटने पर बैठकर शीश नवाना) तथा पैगोस (पांव को चूमना) जैसी इरानी पद्धति को भारत में लागू किया।
- इसने नौरोज त्यौहार (फारसी) भी प्रारंभ किया।
- इसने राजा के राजत्व सिद्धांत को लागू किया।
- इसने कहा कि राजा ईश्वर का प्रतिनिधि या छाया होता है।
- इसने 'रक्त एवं लौह' की नीति अपनाई अर्थात् आक्रमण नीति को अपनाया।
- बलबन में चालीसा दल को समाप्त कर दिया।
- बलवन में (U.P.) के गुण-मुक्तेश्वर में एक मस्जिद बनवायी।
- नासिरूद्दीन महमूद ने बलबन को 'उलूग खां' का उपाधि दिया था।
- यह अपने दरबार का गठन फारसी पद्धति पर किया था।
- यह अपनी शक्ति को संगठित करने के बाद ध्यय जिल्लेईलाही का उपाधि धारण किया था।

- बलबन ने स्वयं को नाईब-ई-खुदाई कहा था।
- प्रथम बार ईमारतों में मौजूद शाही मेहराब बलबन के मकबरा में देखा गया था।
- भारत में प्रथम बलबन का मकबरा जो शुद्ध ईस्लामी शैली में निर्मित हुआ था।
- बलबन ने सिमा विस्तार की नीति को नहीं अपनाई।
- इसके शासनकाल में विद्रोह करने वाला तुगरील खां बंगाल का गवर्नर बना था।
- बलबन दिल्ली का प्रथम सुल्तान था जिसने दरबार में गैर-ईस्लामिक प्रथाओं का प्रचलन किया। इसी के समय सेना को वंशानुगत बना दिया था।
- इसने दीवान-ए-अर्ज नामक सैन्य विभाग की स्थापना किया।
- फारसी कवि अमिर खुसरो और अमिर हसन बलबन के दरबार में रहते थे।
- 1286 ई. में फिरोजशाह ने इसकी हत्या कर दी, जिसे जलालुद्दीन खिलजी भी कहते हैं।
- अगला शासक कैकुबार बना जो एक आयोग्य शासक था। इसने एक वर्ष तक शासन किया।

## कैकूबार ( 1287 ई.-1290 ई. )

- यह दिल्ली के गद्दी पर 1287 ई. में बैठा।
- यह मुईयुद्दीन की उपाधि धारण किया था।
- इसके सेनापति का नाम जलालुद्दीन-फिरोज-खिलजी था।
- जलालुद्दीन-फिरोज-खिलजी द्वारा इसकी हत्या करके उसे यमुना नदी में फेंक दिया गया।

## शमशुद्दीन कैमूर्श

- कैकूबार का पुत्र शमशुद्दीन को कैमूर्श की उपाधि दिया गया था।
- यह गुलाम वंश का अंतिम शासक था।

# खिलजी वंश ( 1290 ई.-1320 ई. )

## जलालुद्दीन-फिरोज-खिलजी ( 1290 ई.-1296 ई. )

- खिलजी वंश के संस्थापक जलालुद्दीन फिरोज खिलजी थे।
- इनकी राजधानी किलोखरी थी।
- इन्होंने जनता के इच्छाओं के अनुरूप ही शासन किया। ये एक उदारवादी शासक थे।
- इन्होंने दक्षिण भारत विजय के लिए अपने भतीजा (दामाद) अलाउद्दीन खिलजी को भेजा।
- अलाउद्दीन खिलजी ने दक्षिण भारत को जीतकर वहाँ से अत्यधिक धन लूटा।
- जलालुद्दीन ने जब इससे धन का हिसाब मांगा तो इसने उसकी हत्या (1296 ई. में) कड़ा मानीकपुर (इलाहाबाद) में कर दी।
- जलालुद्दीन मंगोलों को परास्त किया था।

## अलाउद्दीन खिलजी ( 1296ई.-1316ई. )

- इसके बचपन का नाम अली और गुर्शप्प था।
- इनका राज्याभिषेक बलबन के लाल महल में हुआ था।
- इसने सिकंदर की भांति विश्व विजय का अभियान चलाया। अतः इसे द्वितीय सिकंदर या सिकंदर-ए-सानी कहते हैं।
- इसने खलीफा के पद को मान्यता दिया।

Sultan Aala-Ouddine Khildji (1295)

- यह एक नया धर्म चलाना चाहता था। किन्तु उलेमा (विद्वान मौलाना) के कहने पर इसने यह निर्णय बदल दिया।
- इसने कुतुबमीनार के प्रतिद्वंद्वी मीनार के रूप में अलाई-मीनार बनवाना प्रारंभ किया परन्तु यह बहुत छोटा बन पाया।
- इसने कुब्बतुल-इस्लाम मस्जिद के प्रवेश द्वार के रूप में अलाई दरबार नामक Gate बनवाया।
- इसने मूल्य नियंत्रण के लिए बाजार प्रणाली को लाया और सार्वजनिक वितरण प्रणाली को लागू किया।
- अलाउद्दीन खिलजी ने घोड़ों की पहचान के लिए घोड़ा दागने की परंपरा लागू की।
- **इसने शासक बनने के बाद 4 घोषणाएँ की–**
  1. स्थायी गुप्तचर की स्थापना।
  2. दान में दी गई भूमि को खालसा भूमि (सरकारी भूमि) में परिवर्तन।
  3. मद्यपान (नशा/शराब) पर प्रतिबंध।
  4. छोटे त्योहार तथा अमीरों के मिलने पर प्रतिबंध लगा दिया।
- **इसके समय 4 प्रमुख कर थे–**
  1. **जजीया–** यह गैर मुसलमानों से लिया जाता था।
  2. **जकात–** यह मुसलमानों के आय पर लिया जाता था।
  3. **खराज–** यह मुसलमानों का भूमि कर था।
  4. **खुम्श–** यह सैनिकों से लूट पर लिया जाने वाला कर था। मकान पर घरी नामक कर तथा चारागाह पर चरी नामक कर लिया जाता था।

## अलाउद्दीन खिलजी के विभाग

(i) **दीवाने आरिज–** सैन्य विभाग
(ii) **दीवाने इंशा–** शाही आदेशों को पालन करवाना/पत्राचार विभाग।
(iii) **दीवाने वजारत/विसारत–** वजीर/P.M.
यह प्रधानमंत्री का पद था, जो वजीर के नियंत्रण में था। यह सबसे महत्वपूर्ण पद था।
(iv) **दीवाने ( रसातल )–** यह विदेश विभाग था + धार्मिक मामलें।
(v) **दीवाने रियासत–** यह बाजार पर नियंत्रण रखता था।

## अलाउद्दीन खिलजी का सैन्य अभियान

- अलाउद्दीन खिलजी ने उत्तर-भारत तथा दक्षिण-भारत दोनों का अभियान किया।
- इसके समय सर्वाधिक मंगोल आक्रमण हुए। इस आक्रमण के कारण इसकी उत्तरी सीमा असुरक्षित हो गई।
- अलाउद्दीन, खिलजी ने व्यापार के लिए समुद्री मार्ग पर ध्यान दिया और

इस उद्देश्य से 1297 ई. में गुजराज के शासक राय कर्ण को पराजित कर दिया। इस आक्रमण का नेतृत्व नुसरत खां कर रहे थे। इसी दौरान 1000 दिनार में मलिक काफूर (चंदराम) नामक हिजड़ा को खरीदा गया।

- ☞ मलिक काफूर को हजार दिनारी भी कहते हैं।
- ☞ नूसरत खां ने मल्लिक काफूर को खरीदकर 1298 ई. में गुजरात विजय से वापस आने पर अलाउद्दीन को उपहार भेंट किया था।
- ☞ गुजरात मार्ग में राजस्थान के शासक बाधा बन रहे थे।
- ☞ 1301 ई. में अलाउद्दीन ने रणथम्भौर जीता।
- ☞ इसी अभियान के समय नूसरत खां मारा गया।
- ☞ 1303 ई. में अलाउद्दीन ने चित्तौड़ जीता।
- ☞ चित्तौड़ अभियान अलाउद्दीन ने रानी पद्मावती के लिए किया और यहाँ के राजा रतन सिंह को पराजित कर दिया, किन्तु चित्तौड़ की महिलाओं ने जौहर कर लिया।
- ☞ राजपूत महिलाएँ विदेशी आक्रमण से स्वयं के स्वाभिमान की रक्षा के लिए जलती आग में कूद जाती थी, जिसे जौहर कहते हैं।
- ☞ यह चितौरगढ़ का नाम बदलकर खिज्राबाद कर दिया था।
- ☞ अलाउद्दीन ने दक्षिण-भारत विजय की जिम्मेदारी मलिक काफूर को दिया।
- ☞ मलिक काफूर ने 1307 ई. में देवगिरि के शासक रामचंद्र देव को पराजित कर दिया। किन्तु रामचंद देव की वीरता को देखकर अलाउद्दीन ने उसे गुजरात के नौसारी का जागीरदार बना दिया।
- ☞ 1309 ई. में इसने वारंगल के शासक प्रतापरुद्र देव को पराजित कर दिय। प्रताप रूद्र देव ने अपने सोने की मूर्ति बनाई और उसमें जंजीर पहनाकर अलाउद्दीन को भेजा और साथ ही कोहिनूर हीरा भी भेजा एवं अधीनता स्वीकार कर ली।
- ☞ 1310 ई. में मल्लिक काफूर ने होयशल वंश पर आक्रमण किया किन्तु उसकी राजधानी द्वारसमुद्र को नहीं जीत सका।
- ☞ 1311 ई. में मल्लिक काफूर ने पांड वंश की राजधानी मदूरै जीत ली।
- ☞ अलाउद्दीन जब निजामुद्दीन औलिया से भूमि का हिसाब मांग तो उसने कहा कि 'मेरे घर में 10 दरवाजे हैं'।
- ☞ **अलाउद्दीन के 4 प्रमुख सेनापति–**
  1. जफर खां
  2. नूरसत खां
  3. उलुग खां
  4. मलिक काफूर
- ☞ यह अपने चारों सेनापति की तुलना पैगम्बर के खलिफा से करता था।
- ☞ मंगोलों से लड़ते समय जफर खां की मृत्यु हो गई थी।
- ☞ 1316 ई. में अलाउद्दीन खिलजी की मृत्यु हो गई।
- ☞ अलाउद्दीन खिलजी के समय मंगोल तथा सल्तनत के बीच सिंधु नदी को सीमा बनाया गया।
- ☞ अलाउद्दीन खिलजी ने खलिफा के आदेशों की अवहेलना कर दी।
- ☞ इतिहासकार बरनी कहते हैं कि जब अलाउद्दीन शासक बना तो इस्लामिक कानून (सरियत) से खुद को मुक्त (घोषित) कर दिया और एक नए धर्म प्रारंभ करने का प्रयास भी किया।
- ☞ अलाउद्दीन खिलजी तुर्क कबीले का था। इसने सैनिकों के लिए वेश-भूषा (ड्रेस) का निर्धारिण किया।
- ☞ यह सल्तनत काल पहला शासक था जिसने भूमि की पैनाईश (माप) करवाया और उसी आधार पर लगान (Tax) का निर्धारण किया।
- ☞ इसने कुल उपज का 50% कर के रूप में निर्धारित किया।
- ☞ इसके समय लूट प्राप्त धन का 80% राजकर के रूप में लिया जाता था।
- ☞ दीवान-ए-मुस्तखराज का प्रारंभ अलाउद्दीन खिलजी ने ही किया था। जिसका संबंध भू-राजस्व से था।
- ☞ कर चोरी को रोकने के लिए इसने प्रांतों के गवर्नर की शक्ति को समाप्त कर दिया।
- ☞ इसने दक्षिण भारत अभियान केवल धन लूटने के लिए किया। यह जिम्मेदारी उसने मलिक काफूर को दी।
- ☞ सर्वप्रथम उलेमा वर्ग के प्रभाव से स्वतंत्र होकर शासन करने का श्रेय अलाउद्दीन को प्राप्त था।
- ☞ इसके दरबार में प्रमुख विद्वान अमीर खुसरो और हसन देलहवी था।
- ☞ यह अपनी राजधानी सिरी (दिल्ली) के पास स्थापित की थी।
- ☞ यह नगद वेतन, स्थायी सेना, घोड़ा दागना, सैनिक की हुलिया, बाजार नियंत्रण या मूल नियंत्रण प्रारंभ किया।
- ☞ उसने मंगोलों से निपटने के लिए लौह एवं रक्त की नीति अपनाया।
- ☞ इसी के समय राशनिंग प्रणाली लागू हुआ।
- ☞ इसी के शासन काल में सर्वाधिक मंगोल आक्रमण हुआ तथा भारत पर अंतिम आक्रमण था।
- ☞ इसके समय दिल्ली में हाजियों द्वारा विद्रोह किया गया था।
- ☞ इसी के द्वारा दीवान-ए-मुश्तखराज विभाग प्रारंभ किया गया जिसका संबंध वित्त (भू-राजस्व) से था।
- ☞ अमीर खुसरो के प्रसिद्ध पुस्तक खजायनुल-फुतूह में इसे द्वितीय सिकंदर कहा गया।
- ☞ यह बिना खलीफा के स्वीकृति से गद्दी पर बैठने वाला प्रथम शासक था।
- ☞ इसके मुख्य अधिकारी मुहतशिब कहलाता था।
- ☞ यह प्रथम शासक था जिसने भूमि की वास्तविक उत्पादन पर राजस्व निर्धारण किया था।
- ☞ सिरी का किला, हजार खंभा महल, अलाई दरवाजा, जमयत खाना मस्जिद का निर्माण करवाया था।
- ☞ दिल्ली में बसने वाले मंगोल को नवीन मुसलमान कहा गया था।
- ☞ दिल्ली के खिलजी शासक तुर्क थे।
- ☞ इसके समय सेना का गठन दशमलव प्रणाली के आधार पर था।
- ☞ इसके समय खालसा भूमि सबसे अधिक विकसित हुई। जो राजा के नियंत्रण में होता था।
- ☞ भारत में प्रथम अवशिष्ट वास्तविक गुंबद इसी के समय प्राप्त हुआ।
- ☞ घोड़े के नाल जैसा मेहराब का सर्वप्रथम प्रयोग इसी के द्वारा किया गया था।

BY KHAN SIR (मानचित्र विशेषज्ञ)

## कुतुबुद्दीन मुबारक शाह खिलजी ( 1316 ई.-1320 ई. )

- इसने खलीफा के पद को मान्यता नहीं दी।
- यह दरबार में कभी-कभी महिलाओं के वस्त्र पहन कर आ जाता था एवं कभी-कभी निर्वस्त्र आ जाता था। यह बरनी द्वारा कहा गया था।
- खुसरो खां ने 1320 ई. में इसकी हत्या कर दी।
- खिलजी वंश का सेनापति या मुख्यमंत्री खुसरो खां ने इसकी हत्या कर दी और खुद शासक बन गया।
- इस प्रकार खिलजी वंश का अंत हो गया।
- खिलजी वंश का कार्यकाल सबसे छोटा था।
- खिलजी वंश के शासक निम्न कबीले से संबंध रखते थे।

## नासिरूद्दीन खुसराव शाह ( खुसरो खां )

- यह खिलजी वंश का अंतिम शासक था।
- इसने पैगम्बर के सेनापति की उपाधि धारण की थी।
- इसे इस्लाम का शत्रु भी कहा जाता था।

# तुगलक वंश ( 1320 ई.-1414 ई. )

## ग्यासुद्दीन तुगलक

- गाजी मल्लिक ने तुगलक वंश की स्थापना की और ग्यासुद्दीन तुलगक के नाम से अपना राज्याभिषेक करवाया।
- यह किसानों के लिए नहर निर्माण का कार्य प्रारंभ किया। अत: इसे नहरों का जनक या पिता माना जाता है। हालांकि सर्वाधिक नहरों का जाल बिछाने वाला शासक फिरोजशाह तुगलक था।
- ग्यासुद्दीन तुगलक ने अपना पहला अभियान जौना खान के नेतृत्व में तेलंगाना के लिए किया।
- जौना खान ने तेलंगाना जीतकर उसका नाम सुल्तानपुर रख दिया।
- इस विजय के बाद जौन खान को मोहम्मद-बिन-तुगलक कहा गया।
- ग्यासुद्दीन तुगलक ने खुद के नेतृत्व में बंगाल अभियान किया, किन्तु बंगाल से इसे धन की प्राप्ति नहीं हुई।
- इसने निजामुद्दीन औलिया को संदेश भिजवाया कि मेरे दिल्ली पहुंचने तक दान में दी गई भूमि का हिसाब तैयार रखे।
- इसके उत्तर में निजामुद्दीन औलिया ने कहा कि 'हुनूज दिल्लीदूर अस्त' (हुजूर दिल्ली अभी दूर है)।
- मोहम्मद-बिन-तुगलक ने U.P. के अफगानपुर में ग्यासुद्दीन तुगलक के विश्राम के लिए लकड़ी का महल बनवाया किंतु इस महल के गिरने से ग्यासुद्दीन तुगलक की 1325 ई. में मृत्यु हो गई।
- यह गाजी का उपाधि धारण करने वाला प्रथम सुल्तान था।
- ग्यासुद्दीन तुगलक पर 29 बार मंगोल का आक्रमण हुआ था।
- दाग और हुलिया प्रथा का प्रनेता अलाउद्दीन खिलजी था तथा उसे प्रभावशाली ढंग से ग्यासुद्दीन तुगलक ने लागू किया था।
- डाक प्रणाली को पूर्णत: ग्यासुद्दीन तुगलक ने व्यवस्थित किया था।
- इस समय डाक विभाग के अधिकारी को वरीद-ए-मुबालिक कहा जाता था।
- कृषि आपदा या अकाल की स्थिति में राजस्व की छूट देने की नीति ग्यासुद्दीन तुगलक द्वारा अपनाई गई।
- नश्क या गल्लाबटाई प्रथा का संबंध 'भूराजस्व' था जो ग्यासुद्दीन तुगलक द्वारा प्रारंभ किया गया था।
- ग्यासुद्दीन के समय राजस्व निर्धारण के लिए भूमि मापन से संबंध नहीं था।
- ग्यासुद्दीन तुगलक ने अलाउद्दीन के समय लिए गए अमीरों की भूमि को पुन: लौटा दिया।
- ग्यासुद्दीन तुगलक ने दिल्ली के समीप स्थित पहाड़ियों पर रोमन शैली में तुगलकाबाद नामक नगर स्थापित किया।

## मोहम्मद-बिन-तुगलक

- इसका वास्तविक (मूल) नाम जौना खां था।
- यह दिल्ली के गद्दी पर 325 ई. में बैठा।
- यह 23 भाषाओं का अच्छा जानकार था, साथ ही ज्योतिष, खगोल तथा गणित का भी अच्छा विद्वान था।
- यह इतिहास में सबसे पढ़ा-लिखा शासक था।
- इसके समय सल्तनत काल की विकास बहुत तेजी से हुआ, साथ ही बिखराव भी तेजी से हुआ।
- इसके समय साम्राज्य को 29 प्रातों में बांटा गया था।
- मोहम्मद-बिन-तुगलक ने 5 सबसे बड़ी गलतियाँ की–
  1. इसने दोआब पर तब Tax बढ़ा दिया जब वहाँ अकाल पड़ा था।
     किसानों के विद्रोह के कारण इसने अमीर-ए-कोहि नामक कृषि विभाग बनाया जो किसानों की मदद के लिए था।
  2. इसने ताँबे की सांकेतिक मुद्रा 1329-30 ई. में चलवाया, किन्तु इस मुद्रा का बड़े पैमाने पर दुरूपयोग होने लगा।
  3. इसने मंगोल आक्रमण के डर से तथा दक्षिण में इस्लाम के प्रसार के लिए राजधानी दिल्ली से देवगिरि (दौलताबाद) को 1327 ई. में स्थानांतरित किया जो असफल रहा।
  4. इसने खुरासान (इरान) पर आक्रमण के लिए 3 लाख सैनिकों की फौज बनायी और उन्हें अग्रीम वेतन भी दिया, किन्तु अंतिम समय में वह खुरासान के शासक से संधि कर लिया।
  5. इसने सैनिकों के विद्रोह से बचने के लिए उन्हें हिमालय की दुर्गम्य चोटी कराचील अभियान के लिए भेजा जहाँ अधिकांश सैनिक आपसी विवाद में लड़कर मर गए।
- 1336 ई. में हरिहर एवं बुक्का ने दिल्ली सल्तनत से टूट कर विजय नगर की स्थापना कर ली।
- 1347 ई. में हसन गंगु ने दिल्ली सल्तनत से टूट कर बहमनी साम्राज्य की स्थापना कर ली।
- 1333 ई. में मोरक्को (अफ्रीका) का यात्री 'इब्नबतुता' 7000 km की यात्रा के बाद दिल्ली पहुंचा।
- रेहला नामक पुस्तक के लेखक इब्नबतुता था।
- मोहम्मद-बिन-तुगल इसकी विद्वता से खुश हुआ और उसे दिल्ली का काजी (जज) नियुक्त किया।
- इब्नबतुता के कहने पर ही मोहम्मद-बिन-तुगलक ने डाक-विभाग प्रारंभ किया।
- इब्नबतुता के नेतृत्व में मोहम्मद-बिन-तुगलक ने एक दूत मंडल को चीन में भेजा।
- मोहम्मद-बिन-तुगल होली का त्योहार अपने दरबार में मनाता था।

- मोहम्मद-बिन-तुगलक का कहना था कि मेरा राज्य रून्ग (बीमार) हो चुका है।
- मोहम्मद-बिन-तुगलक की मृत्यु पर बदायुनि का कहना है कि जनता को अपने राजा से एवं राजा को अपनी जनता से छुटकारा (मुक्ति) मिल गया।
- इसे रक्त पिपाशु या पागल बादशाह भी कहा जाता था।

## फिरोज-शाह-तुगलक

- यह जौना खाँ का चचेरा भाई था। इसकी माता सोनार थी। अत: इस पर हिन्दु होने का आरोप न लगे इसलिए इसने ब्राह्मणों पर भी जजीया कर लगा दिया।
- इसका राज्याभिषेक 1351 ई. में हुआ।
- इसने अशोक के हरियाणा के टोपरा अभिलेख को तथा U.P. के मेरठ अभिलेख को दिल्ली में स्थापित कर दिया।
- इसने अलग से एक निर्माण विभाग बनवाया और 300 से अधिक नगर (शहर) का निर्माण कराया। जैसे– जौनपुर, फिरोजाबाद, हिसार, फतेहाबाद, फिरोजपुर आदि।
- इसने 1200 से अधिक फलों के बाग-बगीचे लगवाएं ताकि फलों की गुणवत्ता को सुधारा जा सके।
- इसने नहरों का जाल बिछा दिया।
- इसी के समय सर्वप्रथम सिंचाई कर (Tax) लेना प्रारंभ कर दिया गया था। जो किसान सरकारी नहर से खेती करता था उसे 'हक-ए-शर्ब' (शर्ब) नामक कर (Tax) देना होता था, जो कुछ ऊपज का 10% या 1/10 भाग देना होता था।
- फिरोज-शाह-तुगलक के दरबार में सर्वाधिक दास 1 लाख 80 हजार थे।
- इसने दासों की देखभाल के लिए एक अलग विभाग 'दिवान-ए-बंदगान' बनाया।
- इसने बेरोजगारों को बेरोजगारी भत्ता भी दिया।
- गरीब, असहाय तथा अनाथ की सहायता के लिए इसने एक अलग विभाग दिवान-ए-खैरात बनवाया।
- इसने दर-ऊल-शफा नामक एक मुफ्त अस्पताल बनवाया।
- इसने सरकारी खर्च पर हज यात्रा करवायी।
- विभिन्न धर्मों में आपसी समन्वय के लिए इसने एक अनुवाद विभाग बनवाया।
- फिरोज-शाह-तुगलक को सल्तनत काल का अकबर कहते हैं।
- जौनपुर को सिराज-ए-हिन्द के रूप में जाना जाता है।
- इसके द्वारा अद्दा एवं विख नामक दो सिक्का चलाया था।
- फिरोजशाह तुगलक ने दिल्ली में कोटला दुर्ग का निर्माण करवाया।
- इसके समय सर्वाधिक सिंचाई तथा लोकनिर्माण कार्य पर अधिक धन खर्च किया गया था।
- इसी के समय भू-राजस्व वसूली के लिए भूमि को ठेके पर देने की प्रथा प्रारंभ की गई थी।
- इसी के द्वारा सर्वप्रथम लोक-निर्माण विभाग का स्थापना किया गया था।
- इसी के समय प्रथम बार हिन्दु धर्म ग्रंथों का फारसी में अनुवाद करना प्रारंभ किया गया था।
- इसी के द्वारा फुतूहात-ए-फिरोजशाही पुस्तक लिखा गया था।
- इसी के समय सैन्य पदों को वंशानुगत बना दिया गया था।
- इनकी मृत्यु 1388 ई. में हो गई।
- फिरोजशाह तुगलक के दरबार में बरनी नामक विद्वान रहता था। जिसने फतवा-ए-जहांदारी तथा तारीख़-ए-फिरोजशाही नामक पुस्तक की रचना किया।

## नसीर-ऊ-द्दीन महमूद

- नसीरूद्दीन महमूद के समय तुगलक वंश का बिखराव बहुत तेजी से होने लगा।
- इसके बारे में कहा जाता है कि इसका साम्राज्य दिल्ली से पालम तक था।
- इसके पंजाब का सूबेदार खिज्र खां ने खुद को स्वतंत्र घोषित कर दिया।
- 1398 ई. में मिशोल सेनापति तैमूर लंग ने इस पर आक्रमण किया।
- तैमूर लंग के डर से यह दिल्ली छोड़ के भाग गया।
- तैमूर लंग ने खिज्र खां को दिल्ली का सूबेदार नियुक्त किया।
- तैमूर के आक्रमण से तुगलक वंश का अंत हो गया। इस प्रकार इस वंश का अंतिम शासक नसीरूद्दीन महमूद था।
- 1414 ई. में खिज्र खां ने इसकी हत्या कर दी।
- यह दिल्ली सल्तनत पर सर्वाधिक समय तक शासन करने वाला वंश था।
- इसी के समय मलिक सर्वर नाम के हिजड़ा था।

## सैय्यद वंश ( 1414 ई.-1451 ई. )

### खिज्र खान

- सैय्यद वंश के संस्थापक खिज्र खान थे।
- सैय्यद वंश स्वयं को इस्लाम धर्म के संस्थापक पैगम्बर मोहम्मद साहब का वंशज मानते थे।
- यह सल्तनत काल में शासन करने वाला एकमात्र शिया वंश था।
- 1358 ई. में तैमूर के भारत आक्रमण के समय खिज्र खां ने उसकी सहायता की। जिस कारण तैमूर ने भारत से लौटते समय उसे मुल्तान, लाहौर एवं विपालपुर का सूबेदार नियुक्त किया।
- 1414 ई. में खिज्र खां दिल्ली की गद्दी पर बैठा।
- खिज्र खां ने कभी भी सुल्तान की उपाधि धारण नहीं की बल्कि इसने स्वयं को रैय्यत-ए-आला कहा।
- खिज्र खां ने अपने आप को तैमूर लंग का पुत्र शाहरूख़ का प्रतिनिधि बताया था।
- खिज्र खां की मृत्यु 1421 ई. में हो गई।
- इस वंश का शासक मुबारक शाह ने सुल्तान की उपाधि धारण की।
- मुबारक शाह ने खुतबा पढ़वाया और अपने नाम का सिक्के चलवाया। साथ ही खुतबे से तैमूर वंशजों और सिक्कों से तुगलक वंश के शासकों का नाम हटवा दिया।
- इसने सिक्कों पर अपना नाम मुइज-उद-दीन मुबारक खुदवाया।
- इसने 1433 ई. में यमुना नदी के किनारे मुबारकाबाद नामक शहर की स्थापना किया।
- तारीख-ए-मुबारकशाही पुस्तक के लेखक याहियाबीन अहमद द्वारा किया गया था। जो मुबारकशाह के शासनकाल में किया गया था। जिससे इस वंश की जानकारी मिलती है।

BY KHAN SIR (मानचित्र विशेषज्ञ)

☞ भटिंडा तथा दोआब के विद्रोह में मुबारकशाह के समय में हुआ था।
☞ इस वंश का अंतिम शासक अलाउद्दीन आलम शाह था।
☞ अलाउद्दीन आलम शाह इस वंश में सर्वाधिक समय तक शासन करने वाला शासक था।
☞ 1451 ई. में बहलोल लोदी ने इसकी हत्या कर दी और लोदी वंश की स्थापना कर दी।

## लोदी वंश ( 1451 ई.-1526 ई. )

☞ यह भारत का पहला शुद्ध अफगान वंश था।
☞ इस वंश के संस्थापक बहलोल लोदी थे।
☞ यह अपने दरबारियों के सम्मान में खड़ा रहता था और उनके बैठने के बाद बैठता था।
☞ इसने जौनपुर पर आक्रमण करके उसे जीत लिया।
☞ इसने एक सिक्का चलाया जिसे बहलोली सिक्का कहते हैं।
☞ बहलोली सिक्का अकबर के काल तक प्रचलन में था।
☞ बहलोल लोदी अपने सरदारों को मकसद-ए-अली कहकर पुकारता था।
☞ बहलोल लोदी ने ग्वालियर का शासक रायकर्ण को 1487 ई. में पराजित किया। यह उसका अंतिम अभियान था।
☞ अगला शासक सिकंदर लोदी बना। यह वंश का सबसे योग्य शासक था।
☞ इसने 1504 ई. में आगरा शहर की स्थापना की और इसे 1506 ई. में अपनी राजधानी बनायी।
☞ इसने गुलरूखी नामक पत्रिका लिखी।
☞ इसने जमीन की पैमाईश के लिए गज-ए-सिकन्दरी नामक एक मापक बनाया जो 30 इंच के बराबर होता था।
☞ इसने खाद्यान्न (खाद्य पदार्थ) से कर हटा लिया।
☞ इसने ताजिया निकालने तथा महिलाओं के मजार पर जाने पर प्रतिबंध लगा दिया।
☞ इस वंश का अंतिम शासक इब्राहिम लोदी था।
☞ इसे 1518 ई. में खतोली के युद्ध में राणा सांगा ने पराजित कर दिया।
☞ इब्राहिम लोदी के संबंधी आलम खान एवं दौलत खान (पंजाब) ने इब्राहिम लोदी को मारने के लिए बाबर को आमंत्रित किया।
☞ पानीपत के प्रथम युद्ध 1526 ई. में बाबर ने इब्राहिम लोदी की हत्या कर दी और लोदी वंश के स्थान पर मुगल वंश की स्थापना कर दी।
☞ इब्राहिम लोदी दिल्ली सल्तनत का एकमात्र शासक था जिसे युद्ध के मैदान में मार दिया गया।

➲ **दिल्ली सल्तनत की सांस्कृतिक व्यवस्था-**

☞ दिल्ली सल्तनत पर इस्लामिक कानून लागू थे। किन्तु अधिकांश जनसंख्या मुसलमान नहीं थी। इसी कारण इतिहासकार बरनी ने सल्तनत काल को वास्तविक इस्लाम नहीं कहा है सल्तनत काल के अधिकतर अधिकारी अमीर तथा सुल्तान तुर्क कबीले के थे।
☞ **वित्तीय व्यवस्था–** इस समय अर्थव्यवस्था का मुख्य आधार कृषि एवं व्यापार था।
☞ **इस समय 5 सबसे प्रमुख कर थे–**
(i) उश्र (ii) मुत्तई (iii) खराज (iv) चरी (v) घरी ।
**नोट–** खुम्स को मुख्य राजस्व नहीं मानते थे, क्योंकि यह लूट का धन था।
☞ जजिया, जकात को भी मुख्य राजस्व नहीं मानते थे, क्योंकि यह धार्मिक कर था।
☞ Tax कर वसूलने वाला सबसे छोटा ग्रामिक अधिकारी चौधरी होता था, जबकि सबसे बड़ा अधिकारी इक्तादार होता था।
☞ जब इक्तादार निश्चित Tax से भी अधिक Tax वसूल कर देता था, तो इस अतिरिक्त आय को फवाजिल कहा जाता था।
☞ Tax वसूलने में हो रहे भ्रष्टाचार के निगरानी के लिए अलाउद्दीन खिलजी ने दिवान-ए-मुस्त खराज नामक विभाग बनवाया।
☞ सल्तनत काल में टाका तथा जितल ही प्रमुख सिक्के थे जिसे इल्तुतमिश ने चलाया।
☞ गुलाम वंश के शासक अलाउद्दीन महमूद शाह ने अपने सिक्के पर खलिफा का चित्र बनवाया।

➲ **सल्तनत कालीन धार्मिक व्यवस्था-**

☞ **जाबिद–** राज्य के कानून को जाबिद कहते थे।
☞ **सरियत या हदिस–** धार्मिक कानून को सरियत या हदिस कहा जाता था।
☞ **दिवान-ए-रिसालत–** ये धार्मिक मामलों के जाँच करते थे।
☞ **दस्तार वन्दान–** ये उलेमाओं का समूह था, जो सर पर साफा (पगड़ी) बाँधते थे। उच्च धार्मिक गुरुओं को उलेमा कहते हैं।

➲ **सल्तनत कालीन स्थापत्य या वास्तुकला-**

☞ भवन निर्माण की कला को स्थापत्य कला कहते हैं।
☞ घोड़े के नाल के आकार की मेहराब की आकृति (निर्माण) सर्वप्रथम आलउद्दीन खिलजी ने अलाई दरबार में की।
☞ अष्टभुजी मकबरा का निर्माण तुगलक काल में हुआ। ग्यासुद्दीन तुगलक ने तुगलकाबाद शहर बसाया।
☞ बड़े आकार के मेहराब (दिवाल) का निर्माण खिलजी वंश में हुआ।
☞ बलबन पहला ऐसा सुल्तान था, जिसका मकबरा शुद्ध इस्लामिक पद्धति में बना।

| शासक | प्रमुख कार्य |
|---|---|
| कुतुबुद्दीन ऐबक | कुवत उल इस्लाम मस्जिद (दिल्ली)- भारत में निर्मित प्रथम मस्जिद |
| | अड़ाई दिन का झोपड़ा (अजमेर)- इस मस्जिद की दीवार पर विग्रहराज चतुर्थ द्वारा रचित संस्कृत नाटक हरिकेली के अंश उत्कीर्ण है। (यहां पहले बौद्ध मठ व संस्कृत विद्यालय था। |
| इल्तुतमिश | कुतुब मीनार, दिल्ली |
| | सुल्तान गढ़ी या नसीरुद्दीन महमूद का मकबरा, दिल्ली |
| | इल्तुतमिश का मकबरा, दिल्ली- स्क्रैच शैली में निर्मित भारत का पहला मकबरा। |
| | हौज ए शमसी बदायूं |
| बलबन | बलबन का मकबरा दिल्ली- शुद्ध इस्लामी शैली में निर्मित भारत का पहला मकबरा |
| | लाल महल- दिल्ली |
| अलाउद्दीन खिलजी | अलाई दरवाजा दिल्ली |
| | सीरी का नगर दिल्ली |
| | हजार खंभा महल दिल्ली |
| | हौज-ए-खास दिल्ली |
| | जमात खाना मस्जिद दिल्ली |

➲ सल्तनत कालीन प्रमुख निर्माण

BY KHAN SIR (मानचित्र विशेषज्ञ)

| नाम | संबंधित विभाग | बनाने वाला सुल्तान |
|---|---|---|
| दीवान-ए-मुस्तखराज | वित्त विभाग | –अलाउद्दीन खिलजी |
| दीवान-ए-कोही | कृषि विभाग | –मुहम्मद बिन तुगलक |
| दीवान-ए-अर्ज | सैन्य विभाग | –बलबन |
| दीवान-एवं-बंदगान | दास विभाग | –फिरोजशाह तुगलक |
| दीवान-ए- खैरात | दान विभाग | –फिरोजशाह तुगलक |
| दीवान-ए-इस्तिहाक | पेंशन विभाग | –फिरोजशाह तुगलक |

➲ **सल्तनत कालीन साहित्य**

☞ सल्तनत काल में फारसी भाषा का प्रचलन था।

☞ सल्तनत काल के सबसे बड़े कवि अमीर खुसरो थे, जिन्हें मंगोलों ने बंदी बना लिया था, किन्तु वो वहाँ से भाग गए।

☞ ये बलबन से लेकर मोहम्मद-बिन-तुगलक तक कुल 7 राजाओं के दरबार में रहे थे।

☞ इन्हें अपनी दरबार में संरक्षण अलाउद्दीन-खिलजी ने दिया।

☞ ये हिन्दी, फारसी तथाा खरी बोली के जानकार थे।

☞ इन्होंने सर्वाधिक रचनाएँ खरी बोली में की है।

☞ इनकी सबसे प्रमुख रचना तारीख-ए-दिल्ली है। इन्हें तोता-ए-हिन्द कहते हैं।

☞ ये निजामुद्दीन औलिया के शिष्य थे। इन्होंने तबला तथा सितार का आविष्कार किया।

☞ सितार को हिन्दू-मुस्लिम का मिश्रण कहते हैं।

☞ सल्तन काल का एकमात्र सुलतान फिरोज-शाह तुगलक था, जिसमें अपनी आत्मकथा लिखी। जिसे फतुहात-ए-फिरोजशाही कहते हैं।

## *One liner Question :–*

★ 1206 ई. से 1290 ई. तक दिल्ली सल्तनत पर किस वंश का शासन रहा **–गुलाम वंश**

★ गुलाम वंश का संस्थापक था **–कुतुबुद्दीन ऐबक**

★ कुतुबुद्दीन ऐबक ने अपनी राजधानी बनायी **–लाहौर को**

★ भारत का प्रथम मुस्लिम सुल्तान कौन था **– कुतुबुद्दीन ऐबक**

★ ढाई दिन का झोपड़ा एवं कुव्वतुल-इस्लाम मस्जिद का निर्माण करवाया **–कुतुबुद्दीन ऐबक ने**

★ नालंदा विश्वविद्यालय को धवस्त किया**–बख्तियार खिलजी**

★ कुतुबुद्दीन ऐबक की मृत्यु हुई**–चौगान की क्रीडा के दौरान घोड़े से गिरने के कारण ( 1210 )**

★ कुतुबुद्दीन ऐबक के बाद कौन दिल्ली सल्तनत का शासक बना **–आरामशाह**

★ आरामशाह की हत्या करके 1211 ई. में दिल्ली की गद्दी पर बैठा **–इल्तुतमिश**

★ दिल्ली का प्रथम मुस्लिम शासक था **–इल्तुतमिश**

★ गुलाम वंश का गुलाम कहा जाता है **–इल्तुतमिश को**

★ इल्तुतमिश था **–इल्बरी तुर्क**

★ इल्तुतमिश ने लाहौर से राजधानी स्थानांतरित की **–दिल्ली**

★ इल्तुतमिश की मृत्यु हुई **–1236 में**

★ दिल्ली सल्तनत पर शासन करने वाली एकमात्र महिला रजिया सुल्तान किसकी पुत्री थी **–इल्तुतमिश**

★ मंगोल पहली बार सिन्धु के तट पर देखे गए **–इल्तुतमिश के शासन काल में**

★ दिल्ली के सुल्तान बलबन का पूरा नाम था **–गियासुद्दीन बलबन**

★ दिल्ली का वह सुल्तान जिसके विषय में कहा गया है की उसने रक्त एवं लौह की नीति अपनाई थी **–बलबन**

★ बलबन ने कौन सी पदवी धारण की थी जिल्ले इलाही की

★ नौरोज प्रथा का आरम्भ किया था **–बलबन ने**

★ बलबन का वास्तविक नाम था **–बहाउद्दीन**

★ सिजदा एवं पाबोस प्रथा की शुरुआत की **–बलबन ने**

★ नासिरुद्दीन महमूद ने बलबन को कौन सी उपाधि प्रदान की थी **–उलूग खान**

★ बलबन ने दीवान-ए-आरिज के पद पर किसे नियुक्त किया **–इमाद-उल-मुल्क**

★ गुलाम वंश का अंतिम शासक था **–शम्मुद्दीन कैमुर्स**

★ जलालुद्दीन खिलजी ने दिल्ली सल्तनत पर शासन के लिए एक नए खिलजी वंश की स्थापना किस वर्ष की **–1290 ई.**

★ हजार दिनारी के नाम से किसे जाना जाता है **–मलिक काफूर**

★ अमीर खुसरो और हसन को दिल्ली के किस सुल्तान ने राज्याश्रय प्रदान किया था **–अलाउद्दीन खिलजी**

★ सल्तनत शासकों में पहला सुल्तान कौन था, जिसने स्थायी सेना रखनी शुरू की **–अलाउद्दीन खिलजी**

★ दक्षिण भारत के देवगिरि राज्य को किस सुल्तान द्वारा दिल्ली सल्तनत का अंग बना दिया गया **–मुबारक खिलजी**

★ दिल्ली का वह सुल्तान जिसने सिकन्दर सानी की उपाधि धारण की थी **–अलाउद्दीन खिलजी**

★ अलाउद्दीन खिलजी के आक्रमण के समय देवगिरी का शासक था **–रामचंद्र देव**

★ मूल नियंत्रण पद्धति को पहली बार लागू किया **–अलाउद्दीन खिलजी**

★ बाजार नियंत्रण पद्धति को लागू किया था **–अलाउद्दीन खिलजी**

★ दिल्ली सल्तनत में तुगलक वंश की स्थापना की थी **–गियासुद्दीन तुगलक**

★ दिल्ली में तुगलकाबाद नगर की नींव किस सुल्तान ने रखी **–गियासुद्दीन तुगलक**

★ दिल्ली सल्तनत की सीमा का सर्वाधिक विस्तार किस सुल्तान के समय हुआ **–मुहम्मद बिन तुगलक**

★ सबसे अधिक समय तक देश में राज्य किया तुगलक वंश के **–सुल्तानों ने**

★ दीवान-ए-अमीर-ए-कोही एक नया विभाग जिस सुलतान द्वारा शुरू किया गया **–मुहम्मद बिन तुगलक**

★ मुहम्मद बिन तुगलक अपनी राजधानी दिल्ली से ले गया **–दौलताबाद**

★ वह सुल्तान जिसके दरबार में सबसे अधिक गुलाम थे **–फिरोज तुगलक**

★ सर्वप्रथम लोक निर्माण विभाग की स्थपाना की थी **–फिरोजशाह तुगलक**

★ टोपरा तथा मेरठ से दो अशोक स्तम्भ लेख दिल्ली लाया था **–फिरोजशाह तुगलक**

BY KHAN SIR (मानचित्र विशेषज्ञ)

★ 1414 ई. में दिल्ली सल्तनत पर सैयद वंश की स्थापना किसने की **–खिज्र खां**
★ मुहम्मद शाह के शासनकाल में खान-ए-जहां की उपाधि किसने धारण की थी **–सरवर-उल-मुल्क**
★ दिल्ली सल्तनत का विघटन अंतत: किस युद्ध से हो गया **–प्रथम पानीपत युद्ध**
★ सल्तनत काल में राजत्व के सिद्धांत को अपनी कृष्टि से व्याख्यायित करने का पहला सफल प्रयास किस सुल्तान ने किया **–गियासुद्दीन बलबन**
★ सल्तनत काल में डाक तथा गुप्तचर विभाग का अधयक्ष क्या कहलाता था **–बरीद-ए-मुमालिक**
★ दिल्ली सल्तनत के किस सुल्तान ने सैनिकों को भी वेतन भू-राजस्व के रूप में देने की प्रथा शुरू की थी **–फिरोज तुगलक**
★ तारीख-ए-फिरोजशाही की रचना किसने की **–जियाउद्दीन बरनी**
★ किस मकबरे के निर्माण में सर्वप्रथम हिंदू शैली को हटाने की कोशिश की गई थी **–इल्तुतमिश का मकबरा**
★ तैमूर लंग ने भारत पर आक्रमण किया **–1398 ईसवी.**
★ तुगलक द्वारा स्थापित दार-उल-शफा था **–एक खैराती अस्पताल**
★ दिल्ली सल्तनत के तुगलक वंश का अंतिम शासक था **–नासिरुद्दीन महमूद**
★ लोदी वंश की स्थापना किसने की थी **–बहलोल लोदी ने**
★ दिल्ली सल्तनत का अंतिम सुल्तान कौन था**–इब्राहिम लोदी**
★ लोदी वंश थे **–अफगान मूल के**
★ महराणा संगा ने इब्राहिम लोदी को पराजित किया था **–खतौली के युद्ध में**
★ गुलरुखी उपनाम से कविताओं की रचना की **–सिकंदर लोदी ने**
★ मुसलमानों से लिया जानेवाला भूमि कर कहलाता था **–उश्र**
★ गैर मुसलमानों से लिया जानेवाला भूमि कर कहलाता था **–खराज़**
★ जजिया से तात्पर्य है **–गैर मुसलमानों पर लगाया जाने वाला धार्मिक कर**
★ सल्तनत काल में प्रशासन की सबसे छोटी इकाई थी **–ग्राम**
★ **प्रमुख विभाग एवं उनसे सम्बंधित**

| | |
|---|---|
| सुलतान दीवान ए मुस्तखराज | **–अलाउद्दीन खिलजी** |
| दीवान ए कोही | **–मुहम्मद बिन तुगलक** |
| दीवान ए अर्ज | **–बलबन** |
| दीवान एवं बंदगान | **–फिरोजशाह तुगलक** |
| दीवान ए खैरात | **–फिरोजशाह तुगलक** |
| दीवान ए इस्तिहाक | **–फिरोजशाह तुगलक** |

★ महमूद गजनवी के भारत पर आक्रमण का उद्देश्य क्या था? **–मध्य एशिया में एक बड़े साम्राज्य की स्थापना के लिए धन प्राप्त करना**
★ महमूद गजनवी के भारत पर आक्रमण के समय भारत आये विद्वान् अलबरूनी ने किस महत्वपूर्ण ग्रन्थ की रचना की? **–किताब-उल-हिन्द**
★ दिल्ली सल्तनत की दरबारी भाषा थी **–फारसी**
★ आगरा नगर की स्थापना किसके द्वारा की गई थी? **–सिंकदर लोदी के**
★ वह दिल्ली का सुल्तान कौन था जिसकी मृत्यु 'चौगान' (पोलो) खेलते हुए हुई थी? **–कुतुबुद्दीन ऐबक**
★ कुब्बत-उल-इस्लाम मस्जिद का निर्माण किसके द्वारा किया गया था? **–कुतुबुद्दीन ऐबक के**
★ तराइन की पहली लड़ाई (1191 ई.) किनके बीच हुई थी? **–मुहम्मद गौरी और पृथ्वीराज चौहान के**
★ किस खिलजी शासक ने दिल्ली के राजसिंहासन पर बैठने के लिए अपने ससुर की हत्या कर दी थी?**–अलाउद्दीन खिलजी ने**
★ रजिया सुल्तान किसकी बेटी थी? **–इल्तुतमिश की**
★ मुहम्मद गौरी विजित प्रदेशों की देखभाल के लिए किस विश्वसनीय जनरल को छोड़कर गया था? **–कुतुबुद्दीन ऐबक को**
★ महमूद गजनवी का भारत में अन्तिम आक्रमण किसके विरुद्ध हुआ? **–जाट**
★ महमूद गजनी किस वंश का था? **–यामिनी**
★ महमूद गजनवी ने भारत में प्रथम आक्रमण किस राज्य के विरुद्ध किया ? **–हिन्दूसाही/ब्राह्मणसाही**
★ महमूद गजनवी के आक्रमण के परिणामस्वरूप कौन-सा शहर फारसी संस्कृति का केन्द्र बन गया ? **–लाहौर**
★ किसने ढोल की तेज आवाज के साथ एक महिला का अपने पति का चिता के साथ स्वत: को जला लेने के दृश्यों का भयानक चित्रण किया है? **–इब्नबतूता ने**
★ भारत में मुस्लिम राज का संस्थापक माना जाता है **–मुहम्मद गौरी को**
★ किसने इक्तादारी प्रथा चलाई? **–इल्तुतमिश ने**
★ 'लाखबख्श' के नाम से जाना जाने वाला भारतीय शासक कौन था? **–कुतुबुद्दीन ऐबक**
★ 13वीं सदी में सेना का सर्वोच्च अधिकारी होता था **–खान**
★ भारत में गुलाम वंश का संस्थापक कौन था? **–कुतुबुद्दीन ऐबक**
★ कुतुबमीनार के कार्य को किसने पूरा किया था? **–इल्तुतमिश ने**
★ दिल्ली का पहला तुगलक सुल्तान कौन था? **–गयासुद्दीन तुगलक**
★ पंजाब के हिन्दूसाही राजवंश को किसने स्थापित किया? **–कल्लर ने**
★ 'वह रोमन सम्राट् अगस्टस की भाँति सावधान था कि वह दूसरों की तरह शक्तिशाली न लगे और वह दूसरों के स्तर से अधिक न लगे' यह सन्दर्भ किसका है? **–बहलोल लोदी का**
★ अलबेरूनी किसके शासनकाल में इतिहासकार था? **–महमूद गजनवी**
★ किसके शासनकाल में सबसे अधिक मंगोल आक्रमण हुए? **–अलाउद्दीन खिलजी के**
★ तराइन के द्वितीय युद्ध में किसने किसको पराजित किया? **–मुहम्मद गौरी ने पृथ्वीराज को**

★ सन् 1329 और 1330 के बीच किसने ताँबे के सिक्के के रूप में प्रमाणस्वरूप मुद्रा–सांकेतिक मुद्रा (Token Currency) प्रचलित की? **–मुहम्मद-बिन-तुगलक**
★ दिल्ली के किस सुल्तान को इतिहासकारों ने 'विरोधों का मिश्रण' बताया है? **–मुहम्मद-बिन-तुगलक को**
★ लोदी वंश का अन्तिम शासक कौन था? **–इब्राहिम लोदी**
★ 'इनाम' भूमि को किसे दिया जाता था? **–विद्वान् और धार्मिक व्यक्ति को**
★ यात्री इब्नबतूता कहाँ से आया था? **–मोरक्को से**
★ उत्तरी भारत की प्रथम मुस्लिम महिला शासक/दिल्ली पर राज करने वाली प्रथम महिला शासक थी **–रजिया सुल्तान**
★ दिल्ली के प्रथम सुल्तान कौन थे जिन्होंने दक्षिणी भारत को पराजित करने का प्रयास किया? **–अलाउद्दीन खिलजी**
★ भारत पर प्रथम तुर्क आक्रमण करने वाला था **–महमूद गजनवी**
★ अलाई दरवाजा किसका मुख्य द्वार है? **–कुतुब मीनार का**
★ कौन-सा शासक दास/गुलाम राजवंश से सम्बन्धित है? **–इल्तुतमिश**
★ दक्षिण अफ्रीकी यात्री इब्नबतूता किसके शासनकाल में भारत आया था? **–मुहम्मद-बिन-तुगलक**
★ महमूद गजनवी ने भारत पर कितनी बार आक्रमण किया? **–17 बार**
★ किसने अपने आप को 'खलीफा' घोषित किया था? **–मुबारकशाह खिलजी ने**
★ लोदी वंश का संस्थापक कौन था? **–बहलोल लोदी**
★ भारतीय इतिहास में बाजार नियमों/मूल्य नियन्त्रण पद्धति की शुरुआत किसने की थी? **–अलाउद्दीन खिलजी ने**
★ राज्य सम्बन्धों में उलेमा के दखल का विरोध किस सुल्तान ने किया था? **–अलाउद्दीन खिलजी ने**
★ '11वीं सदी के भारत का दर्पण' किसे कहा जाता है? **–किताब-उल-हिन्द को**
★ वैहिन्द का युद्ध (1008.09) किनके बीच लड़ा गया? **–महमूद गजनवी और आनन्दपाल के**
★ दिल्ली सल्तनत का वह प्रथम सुल्तान कौन था, जिसने स्थायी सेना रखी? **–अलाउद्दीन खिलजी ने**
★ दिल्ली के सुल्तानों में से किसने तैमूरी शासक मिर्जा शाहरुख के अधिराज्य में आना स्वीकार किया? **–खिज्र खाँ सैयद ने**
★ कौन 'गुलरुखी' के उपनाम से कविताएँ लिखा करता था? **–सिकंदर लोदी**
★ भारत का वह पहला शासक कौन था जिसने मुहम्मद गौरी को पराजित किया ? **–सोलंकी शासक भीम II**
★ मुहम्मद गौरी किस वंश का था? **–शंसबनी**
★ अलाउद्दीन खिलजी के आक्रमण के समय देवगिरि का शासक कौन था? **–रामचन्द्र देव**
★ 'जब उसने राजत्व प्राप्त किया तो वह शरीयत के नियमों और आदेशों से पूर्णतया स्वतन्त्र था' बरनी ने यह कथन किस सुल्तान के लिए कहा? **–अलाउद्दीन खिलजी**
★ सल्तनत काल में भूराजस्व का सर्वोत्तम ग्रामीण अधिकारी था **–चौधरी**
★ तैमूर के आक्रमण के बाद भारत में किस वंश का राज स्थापित हुआ ? **–सैय्यद वंश**
★ किस सुल्तान के दरबार में सबसे अधिक गुलाम थे? **–फिरोज तुगलक**
★ किस सुल्तान ने बेरोजगारों को रोजगार दिया? **–फिरोज तुगलक ने**
★ किस सुल्तान ने फलों की गुणवत्ता सुधारने के लिए उपाय किए? –फिरोज तुगलक ने
★ नालंदा विश्वविद्यालय के विनाश का कारण है **–बख्तियार खिलजी का आक्रमण**
★ 'तबकात-ए-नासिरी' का लेखक कौन था? **–मिनहाज-उस-सिराज**
★ अलाई दरवाजा का निर्माण किस सुल्तान ने करवाया? **–अलाउद्दीन खिलजी ने**
★ कुतुबुद्दीन ऐबक की राजधानी थी **–लाहौर**
★ अलाउद्दीन खिलजी के प्रसिद्ध सेनापतियों में किसकी मंगोलों के विरुद्ध लड़ते हुए मृत्यु हुई? **–जफर खाँ की**
★ तौल की सबसे छोटी इकाई कौन है? **–रत्ती ( रद्रिका-संस्कृत )**
★ प्रसिद्ध कवि अमीर खुसरो दरबार में रहे **–अलाउद्दीन खिलजी के**
★ किसने सल्तनत काल में प्रचलित डाक व्यवस्था का विस्तृत विवरण दिया है? **–इब्नबतूता ने**
★ तैमूर लंग ने किस वर्ष में भारत पर आक्रमण किया? **–1398 ई. में**
★ दिल्ली के किस मुस्लिम शासक के निधन पर इतिहासकार बदायूंनी ने कहा, 'राजा को अपनी प्रजा से तथा प्रजा को अपने राजा से मुक्ति मिली'? **–मुहम्मद-बिन-तुगलक**
★ दिल्ली के सुल्तान बलबन का पूरा नाम क्या था? **–गयासुद्दीन बलबन**
★ कौन-सा सुल्तान नया धर्म चलाना चाहता था किन्तु उलेमाओं ने विरोध किया? **–अलाउद्दीन खिलजी**
★ दिल्ली में कौन-सा ऐतिहासिक स्मारक भारतीय तथा फारसी वास्तुकला शैली का उदाहरण है? **–हुमायूँ का मकबरा**
★ दिल्ली का सुल्तान, जो दान-दक्षिणा के बारे में काफी ध्यान रखता था और इसके लिए एक विभाग 'दीवान-ए-खैरात' (दान विभाग) स्थापित किया, वह था **–फिरोज तुगलक**
★ किस संगीत वाद्य को हिन्दू-मुस्लिम गान वाद्यों का सबसे श्रेष्ठ मिश्रण माना गया है? **–सितार**
★ नयी फारसी काव्य शैली 'सबक-ए-हिन्दी' अथवा 'हिन्दुस्तानी' शैली के जन्मदाता थे **–अमीर खुसरो**
★ अनुकूल परिस्थितियाँ मौजूद होने के बावजूद गुलाम वंश के शासक भारत में अपने साम्राज्य का विस्तार नहीं कर पाये, इसका मुख्य कारण क्या था? **–मंगोल आक्रमण का भय**
★ 'तुगलकनामा' के रचनाकार का नाम है **–अमीर खुसरो**
★ भारत में मुहम्मद गौरी ने किसको प्रथम अक्ता प्रदान किया था? **–कुतुबुद्दीन ऐबक को**
★ किस सुल्तान के काल में खालिसा भूमि अधिक पैमाने पर विकसित हुई? **–अलाउद्दीन खिलजी के**
★ सल्तनत काल के सिक्के–'टंका', 'शशगनी' एवं 'जीतल'–किन धातुओं के बने थे? **–क्रमशः चाँदी, चाँदी, ताँबा**



BY KHAN SIR (मानचित्र विशेषज्ञ)

★ 'अमीर कोही' (कृषि विभाग) नामक एक नया विभाग किस सुल्तान द्वारा शुरू किया गया था? **–मुहम्मद-बिन-तुगलक**
★ अमीर खुसरो ने किसके विकास में अग्रगामी की भूमिका निभाई? **–खड़ी बोली**
★ तैमूर लंग ने किसके शासनकाल में भारत पर आक्रमण किया? **–नासिरुद्दीन महमूद तुगलक**
★ भारत में पोलो खेल का प्रचलन किया **–तुर्कों ने**
★ किसने एक तरु संस्कृत मुद्रालेख के साथ चाँदी के सिक्के निर्गत किये ? **–महमूद गजनवी ने**
★ अलाउद्दीन खिलजी के सेनाध्यक्षों में से कौन तुगलक वंश का प्रथम सुल्तान बना? **–गाजी मलिक**
★ 'जवाबित' थे **–राज्य कानून**
★ किस राजवंश के अन्तर्गत विजारत का चरमोत्कर्ष हुआ? **–तुगलक**
★ ढाई दिन का झोंपड़ा मस्जिद, अजमेर का निर्माण किसने करवाया था? **–कुतुबुद्दीन ऐबक ने**
★ कौन अपने को 'ईश्वर का अभिशाप' कहता था? **–चंगेज खाँ**
★ दिल्ली सल्तनत का पहला सुल्तान कौन था जिसने दोआब के आर्थिक महत्व को समझा ? **–इल्तुतमिश**
★ दिल्ली सल्तनत के तुगलक राजवंश का अन्तिम शासक कौन था? **–नासिरुद्दीन महमूद**
★ सल्तनत काल में 'फवाजिल' का अर्थ था **–इक्तादारों द्वारा सरकारी खजाने में जमा की जाने वाली अधिशेष राशि**
★ दिल्ली का सुल्तान, जो भारत में नहरों के सबसे बड़े जाल का निर्माण करने के लिए प्रसिद्ध है, वह था **–फिरोजशाह तुगलक**
★ चंगेज खाँ के अधीन मंगोलों ने किसके शासनकाल में भारत पर आक्रमण किया ? **–इल्तुतमिश के**
★ अपनी शक्ति को समेकित करने के बाद बलबन ने भव्य उपाधि धारण की **–तोता-ए-हिन्द की**
★ कौन-से सुल्तान की मृत्यु तुगलकाबाद में लकडी से बने स्वागत भवन के गिरने से हुई? **–गयासुद्दीन तुगलक की**
★ नहर निर्माण कराने वाला दिल्ली का प्रथम सुल्तान था **–गयासुद्दीन तुगलक**
★ लोदी वंश का सर्वाधिक शक्तिशाली सुल्तान था **–सिकन्दर लोदी**
★ किसने भूमि मापने का पैमाना 'गज्ज-ए-सिकन्दरी' का प्रचलन किया ? **–सिकन्दर लोदी ने**
★ किस मुस्लिम शासक के सिक्कों पर देवी लक्ष्मी की आकृति बनी है? **–मुहम्मद गौरी के**
★ रजिया बेगम को सत्ताच्युत करने में किसका हाथ था? **–तुर्कों का**
★ किस सुल्तान ने अपनी आत्मकथा (फतूहात-ए-फिरोजशाही) लिखी? **–फिरोज तुगलक ने**
★ दिल्ली के किस सुल्तान ने ब्राह्मणों पर भी जजिया लगाया था? **–फिरोज तुगलक ने**
★ ग्वालियर विजय के बाद इल्तुतमिश ने सिक्कों पर किसका नाम अंकित कराया? **–पुत्री रजिया का**
★ नासिरुद्दीन महमूद के शासन में मुख्य काजी के पद पर कौन था? **–मिन्हाजुद्दीन सिराज**
★ बलबन का वास्तविक नाम क्या था? **–बहाउद्दीन**
★ जलाउद्दीन के शासन काल की सबसे बड़ी उपलब्धि क्या थी? **–देवगिरि विजय**
★ अलाउद्दीन के शासन में भूमिकर सम्बन्धी अधिकारी कौन था? **–मुस्तख राज**
★ वारंगल में स्वतन्त्र राज्य किसने स्थापित किया? **–कन्हैया ने**
★ बरनी के अनुसार दरबारियों के बीच कभी-कभी नग्न होकर दौड़ने वाला सुल्तान कौन था? **–मुबारक खाँ**
★ हिन्दू धर्म से परिवर्तित मुस्लिम शासक कौन था? **–नासिरुद्दीन खुसरोशाह**
★ नासिरुद्दीन खुसरोशाह ने कौन सी उपाधि धारण की? **–पैगम्बर का सेनापति**
★ दिल्ली का प्रथम अफगान शासक कौन था? **–बहलोल लोदी**
★ इक्ता प्रथा की शुरुआत किसने की थी? **–इल्तुतमिश ने**
★ ऐबक ने अपनी राजधानी कहाँ बनाई थी? **–लाहौर में**
★ महमूद गजनवी ने थानेश्वर पर कब आक्रमण किया था? **–1014 ई. में**
★ मुहम्मद गोरी द्वारा चलाए सिक्के को क्या कहा जाता था? **–देहलीवाला सिक्का**
★ सुल्तान का पद सामान्यत: कैसा था? **–पैतृक**
★ सल्तनतकाल में प्रभावशाली पद किसके अधीन होते थे? **–अमीरों के**
★ प्रान्तों को अन्य किस नाम से जाना जाता था? **–इक्ता**
★ सल्तनतकालीन शब्दावली के अनुसार सुल्तान के कर्मचारियों को दी गई भूमि क्या कहलाती थी? **–इबलाक**
★ धर्मोपदेश के लिए क्या शब्द प्रयोग होता था? **–तजकीर**
★ शरीयत के आधार पर किसी समस्या के समाधान का निर्णय क्या कहलाता था? **–फतवा**
★ प्रान्तों में सुल्तान का प्रतिनिधि कौन था? **–वली**